

# Spis treści

|                                                     |    |
|-----------------------------------------------------|----|
| <i>Od Wydawcy</i> .....                             | 5  |
| <i>Zamiast wstępu</i> .....                         | 7  |
| Co jeszcze na śląsku jest, a czygo już nie ma ..... | 11 |
| Moja starka .....                                   | 13 |
| Świniobicie .....                                   | 16 |
| Skąd mypiyrwyj mieli chlyb .....                    | 19 |
| Wilijoł .....                                       | 22 |
| Na głóldzce .....                                   | 24 |
| Faszingsbaly .....                                  | 26 |
| Piyrwyj to boły zimy! .....                         | 28 |
| Front stoł na Odrze .....                           | 30 |
| Szkubanie piyrzo .....                              | 32 |
| Na kole .....                                       | 34 |
| Popielec .....                                      | 37 |
| U fotografa .....                                   | 39 |
| Św. Józef .....                                     | 41 |
| Po froncie .....                                    | 43 |
| W marcu jak w garcu .....                           | 45 |
| Wiosna .....                                        | 47 |
| Wielkanocne kroszonky .....                         | 49 |
| O flancach .....                                    | 51 |
| W aprela to są wesela .....                         | 53 |
| Szykowanie do wesela .....                          | 55 |
| Weselnij kołolcz .....                              | 57 |
| Wesele .....                                        | 59 |
| Gojścina .....                                      | 61 |
| Po weselu .....                                     | 63 |
| Dzień matki .....                                   | 65 |
| Zielony Świątki i Boży Ciało .....                  | 67 |
| W maju i w czerwcu .....                            | 69 |
| Tłuczenie masła .....                               | 71 |
| Jak to piyrwyj było przy sianie .....               | 73 |
| O sklepach na wsi .....                             | 76 |
| O Św. Annie .....                                   | 78 |
| Żniwa po Froncie .....                              | 80 |
| W co my piyrwyj grali w szkole .....                | 82 |

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| Żniwa .....                          | 84  |
| Po żniwach .....                     | 86  |
| Szkoła życia na łąkach .....         | 88  |
| I koniec ferii .....                 | 90  |
| O dożynkach .....                    | 92  |
| Wybieranie ćwikły .....              | 94  |
| O kopaniu kartofli .....             | 96  |
| O witaminach .....                   | 98  |
| O kermaszu .....                     | 100 |
| U canarcta .....                     | 102 |
| Kiszeynie kapusty .....              | 104 |
| Po wszystkich świantych .....        | 106 |
| O mikołaju i innych zwyczajach ..... | 108 |
| Boże narodzenie .....                | 110 |
| Nowy rok .....                       | 112 |
| Po kolandzie .....                   | 114 |
| O repatriantach .....                | 116 |
| My i łoni abo nasi i wasi .....      | 119 |
| Miansopust abo karnewal .....        | 122 |
| Przed popielcam .....                | 124 |
| Kutia i pierogy .....                | 126 |
| Od Raciborza do Opola .....          | 128 |
| Pierwsza praca .....                 | 130 |
| Topienie marzanny .....              | 132 |
| Hadyrlok .....                       | 134 |
| O kobytach .....                     | 136 |
| Wielki tydzień .....                 | 138 |
| Kościelne śpiywanie .....            | 140 |
| Wielkanoc i zwony .....              | 142 |
| Kłękaj ojcie - Wróblin! .....        | 145 |
| O telewizorze .....                  | 148 |
| Nasza bimelbana abo "Koza" .....     | 150 |
| Św. Florian .....                    | 153 |
| I - sza komunია .....                | 155 |
| Naszy radio .....                    | 157 |
| Powódź piyrwyj tyż bywała .....      | 159 |
| I zaś ło powodzi .....               | 161 |
| Pomoc powodzianom .....              | 163 |
| S ł o w n i c z e k .....            | 165 |